मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BHDC-132

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सी.बी.सी.एस.)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एच.डी.सी.-132 : मध्यकालीन हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 20

(क) कबीर कूता राम का, मुतिया मेरा नाऊँ।
गले राम की जेवड़ी, जित खेचै तित जाऊँ॥

(ख) तन की दुति स्याम सरोरुह
लोचन कंज की मंजुलताई हरैं।
अति सुंदर सोहत धूरि भरे,

छबि भूरि अनंग की दूरि करैं।
दमकैं दतियाँ दुति-दामिनि ज्यों,
किलकैं कित बाल-विनोद करैं।
अवधेस के बालक चारि सदा,
तुलसी-मनमंदिर में बिहरैं॥

(ग) रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे, मोती मानस चून॥

2. भक्तिकाव्य के शिल्प-विधान पर प्रकाश डालिए। 20

3. रीतिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए। 20

4. कबीर की भाषा और काव्य-सौन्दर्य का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए। 20

5. मीराबाई की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए। 20

6. सूरदास के काव्य में अभिव्यक्त लोक-जीवन की चर्चा कीजिए। 20

7. रहीम की कविता के भावपक्ष का विवेचन कीजिए। 20

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=20

(क) बिहारी सतसई

(ख) तुलसीदास की काव्य भाषा

(ग) पद्मावत

(घ) भूषण की रचनाएँ